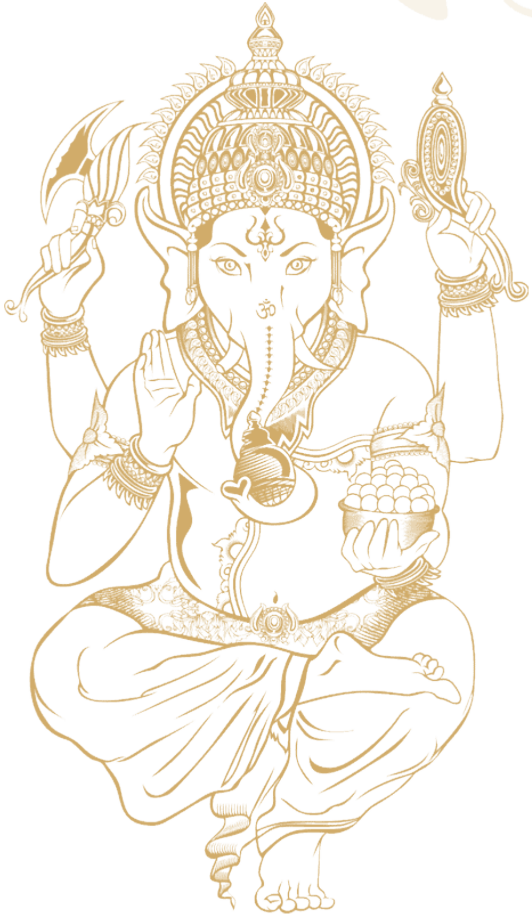

?????? ????

01 Mar 2026

11:07 PM

Karnal

Model: web-freekundliweb

Order No: 121455003

लिंग	: स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	: **01/03/2026**
दिन	: रविवार
जन्म समय	: **23:07:00 घंटे**
इष्ट	: 40:46:43 घटी
स्थान	: **Karnal**
राज्य	: Haryana
देश	: India

अक्षांश	: 29:41:00 उत्तर
रेखांश	: 76:59:00 पूर्व
मध्य रेखांश	: 82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	: -00:22:04 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	: 00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	: 22:44:56 घंटे
वेलान्तर	: -00:12:21 घंटे
साम्पातिक काल	: 09:23:05 घंटे
सूर्योदय	: 06:48:18 घंटे
सूर्यास्त	: 18:20:59 घंटे
दिनमान	: 11:32:40 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	: उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	: दक्षिण
ऋतु	: वसन्त
सूर्य के अंश	: 16:55:06 कुम्भ
लग्न के अंश	: 19:36:20 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	: तुला - शुक्र
राशि-स्वामी	: **कर्क - चन्द्र**
नक्षत्र-चरण	: **आश्लेषा - 3**
नक्षत्र स्वामी	: बुध
योग	: अतिगण्ड
करण	: गर
गण	: राक्षस
योनि	: मार्जार
नाड़ी	: अन्त्य
वर्ण	: विप्र
वश्य	: जलचर
वर्ग	: श्वान
युँजा	: मध्य
हंसक	: जल
जन्म नामाक्षर	: डे-डेम
पाया(राशि-नक्षत्र)	: ताम्र - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	: मीन

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	19:36:20	306:02:06	स्वाति	4	15	शुक्र	राहु	मंगल	---
सूर्य			कुंभ	16:55:06	01:00:12	शतभिषा	4	24	शनि	राहु	शुक्र	शत्रु राशि
चंद्र			कर्क	25:01:07	13:43:05	आश्लेषा	3	9	चंद्र	बुध	राहु	स्वराशि
मंगल		अ	कुंभ	05:05:52	00:47:17	धनिष्ठा	4	23	शनि	मंगल	सूर्य	सम राशि
बुध	व	अ	कुंभ	27:23:44	00:31:57	पू०भाद्रपद	3	25	शनि	गुरु	शुक्र	सम राशि
गुरु	व		मिथु	21:00:28	00:01:51	पुनर्वसु	1	7	बुध	गुरु	गुरु	शत्रु राशि
शुक्र			कुंभ	29:54:18	01:14:47	पू०भाद्रपद	3	25	शनि	गुरु	चंद्र	मित्र राशि
शनि			मीन	07:35:14	00:07:10	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	केतु	सम राशि
राहु			कुंभ	14:45:27	00:00:03	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	केतु	मित्र राशि
केतु			सिंह	14:45:27	00:00:03	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	शुक्र	शत्रु राशि
हर्ष			वृष	03:31:26	00:01:20	कृतिका	3	3	शुक्र	सूर्य	शनि	---
नेप			मीन	06:50:45	00:02:10	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	बुध	---
प्लूटो			मक	10:19:43	00:01:37	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	चंद्र	---
दशम भाव			कर्क	24:06:47	--	आश्लेषा	--	9	चंद्र	बुध	राहु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:28

लग्न-चलित

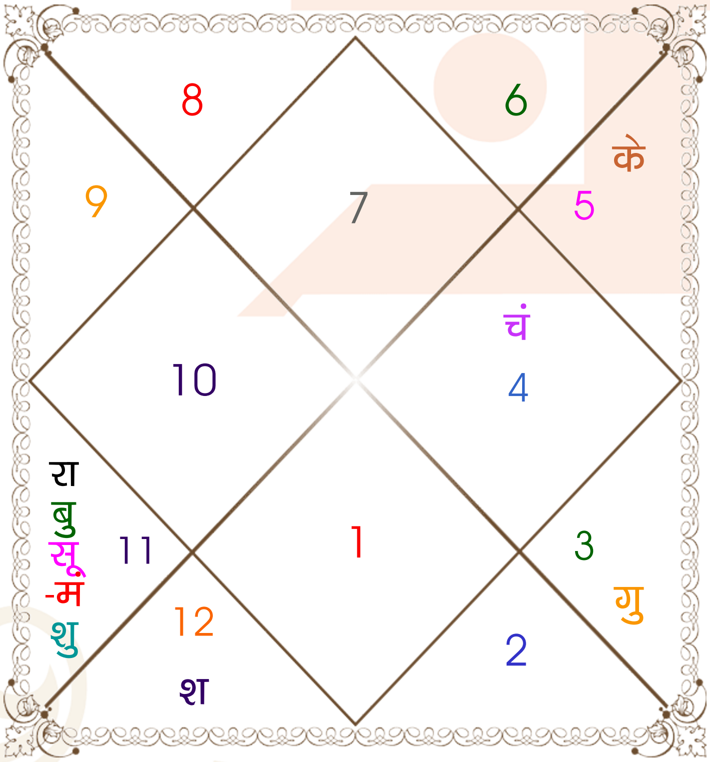

चन्द्र कुंडली

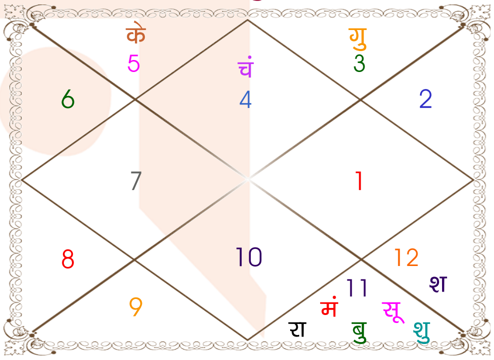

नवमांश कुंडली

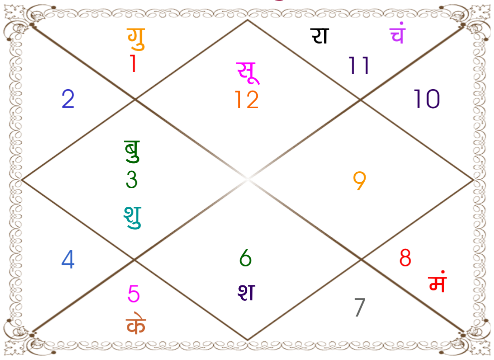

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : बुध 6 वर्ष 4 मास 6 दिन

बुध 17 वर्ष	केतु 7 वर्ष	शुक्र 20 वर्ष	सूर्य 6 वर्ष	चंद्र 10 वर्ष
01/03/2026	**07/07/2032**	**08/07/2039**	**08/07/2059**	**08/07/2065**
07/07/2032	**08/07/2039**	**08/07/2059**	**08/07/2065**	**08/07/2075**
00/00/0000	केतु 03/12/2032	शुक्र 07/11/2042	सूर्य 26/10/2059	चंद्र 08/05/2066
00/00/0000	शुक्र 03/02/2034	सूर्य 07/11/2043	चंद्र 25/04/2060	मंगल 07/12/2066
00/00/0000	सूर्य 10/06/2034	चंद्र 08/07/2045	मंगल 31/08/2060	राहु 07/06/2068
00/00/0000	चंद्र 09/01/2035	मंगल 07/09/2046	राहु 26/07/2061	गुरु 07/10/2069
00/00/0000	मंगल 08/06/2035	राहु 06/09/2049	गुरु 14/05/2062	शनि 08/05/2071
01/03/2026	राहु 25/06/2036	गुरु 07/05/2052	शनि 26/04/2063	बुध 07/10/2072
राहु 23/07/2027	गुरु 01/06/2037	शनि 08/07/2055	बुध 01/03/2064	केतु 08/05/2073
गुरु 28/10/2029	शनि 11/07/2038	बुध 08/05/2058	केतु 07/07/2064	शुक्र 06/01/2075
शनि 07/07/2032	बुध 08/07/2039	केतु 08/07/2059	शुक्र 08/07/2065	सूर्य 08/07/2075

मंगल 7 वर्ष	राहु 18 वर्ष	गुरु 16 वर्ष	शनि 19 वर्ष	बुध 17 वर्ष
08/07/2075	**08/07/2082**	**08/07/2100**	**08/07/2116**	**09/07/2135**
08/07/2082	**08/07/2100**	**08/07/2116**	**09/07/2135**	**00/00/0000**
मंगल 04/12/2075	राहु 20/03/2085	गुरु 26/08/2102	शनि 12/07/2119	बुध 05/12/2137
राहु 22/12/2076	गुरु 14/08/2087	शनि 09/03/2105	बुध 21/03/2122	केतु 02/12/2138
गुरु 28/11/2077	शनि 20/06/2090	बुध 15/06/2107	केतु 30/04/2123	शुक्र 02/10/2141
शनि 06/01/2079	बुध 06/01/2093	केतु 21/05/2108	शुक्र 30/06/2126	सूर्य 08/08/2142
बुध 04/01/2080	केतु 24/01/2094	शुक्र 20/01/2111	सूर्य 12/06/2127	चंद्र 08/01/2144
केतु 01/06/2080	शुक्र 24/01/2097	सूर्य 08/11/2111	चंद्र 10/01/2129	मंगल 04/01/2145
शुक्र 01/08/2081	सूर्य 19/12/2097	चंद्र 09/03/2113	मंगल 19/02/2130	राहु 02/03/2146
सूर्य 07/12/2081	चंद्र 20/06/2099	मंगल 13/02/2114	राहु 26/12/2132	00/00/0000
चंद्र 08/07/2082	मंगल 08/07/2100	राहु 08/07/2116	गुरु 09/07/2135	00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल बुध 6 वर्ष 4 मा 17 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म स्वाती नक्षत्र के चतुर्थ चरण में तुला लग्नोदय काल हुआ था। तुलालग्नोदय काल मेदिनीय क्षितिज पर मीन नवमांश के साथ-साथ कुंभ राशि का द्रेष्काण भी उदित था। आपके जन्म लग्नोदयादिक प्रभाव से यह दृश्य हो रहा है कि आप गपशप करने वाली होंगी। आपका जीवन आकर्षक परंतु आप दूसरों के साथ इर्ष्या रखने वाली होंगी।

आप अपनी आयु के 30 से 35 वें वर्ष के अंतराल में काफी धन संपति का अर्जन करेंगी तथा आपका जीवन आनंदपूर्वक व्यतीत होगा। आपका रूप आकर्षित होगा आप अपने प्रताप से बहुत धन का व्यय करेंगी तथा अपना सांसारिक जीवन किस प्रकार बिताया जाए। इस बात का अन्वेषण करेंगी। आप अपनी फिजूल खर्ची पर नियंत्रण करेंगी तो अनुकूल रहेंगी। अन्यथा आपकी वृद्धावस्था अति सुखद ही नहीं होगी अपितु वह अवस्था निरस भी हो जाएगी।

आप धार्मिक भावना की प्राणी होंगी। आप अनेक तीर्थ स्थलों का भ्रमण कर सत्यकार्यों में दान प्रदान करेंगी। यह संभाव्य है कि आपमें अनेक गुण विद्यमान होंगे तथा आप विश्वसनीयता पूर्वक व्यवहार करेंगी। आप भगवान की कृपा से उत्तम संतान की माता होंगी। वे अपना नाम एवं अपनी प्रसिद्धि प्राप्त करेंगे।

आपको अपने जीवन संगी के रूप में उपयुक्त एवं आदर्श पति प्राप्ति हेतु मिथुन अथवा कुंभ राशि के जातक का चयन करना उत्तम होगा। परंतु यदि आपके पति कर्क, मकर अथवा मीन राशीय समुदाय के हुए तो वह आपकी आवश्यकता अथवा अनुरूपता के योग्य नहीं होंगे।

परंतु यदि आपके साथी आपको श्रेय नहीं प्रदान करे तो आपको हतोत्साह होने की आवश्यकता नहीं है। आप किसी भी तरह से अपने पति से विद्वेष नहीं करेंगी।

वास्तव में आप बहुतायत में अपने घरेलू वातावरण को अनुकूल करने के लिए तथा सुव्यवस्थित करने के लिए आपके पति बेशकीमती आभूषण एवं बहुमूल्य वस्त्रादि से युक्त अपने परिवार के जीवन यापन को प्रमुखता देंगे। आप अपने भवन को अपने मित्र एवं सगे संबंधियों की दृष्टि में आकर्षक बनाएंगी। इसके बिना आप अपने रहन सहन को दुष्कर अनुभव करेंगी।

तुला प्रभावित जातक सामान्यतः स्वास्थ्य के दृष्टिकोण से उत्तम एवं उच्च स्तरीय आनंद से युक्त होता है। परंतु वह छुआछूत की बिमारी से वह अद्योगामी भी हो सकता है एवं आयुवृद्धि के कारण मूत्र संबंधी समस्याएं उत्पन्न हो सकती है। अस्तु आपको इसके विरूद्ध सुरक्षात्मक कदम उठाने चाहिए।

आप हर दशा में धन एवं सुंदर सुखद भवन से युक्त होंगी। आप समयानुकूल अपने कार्य कलाप का संपादन करे निश्चित समय पर भोजनादि कर सकती हैं बशर्ते कि आप निम्नांकित निर्देशन का अनुपालन कर सकें।

आपके लिए अनुकूल एवं उत्तम रंग लाल, नारंगी एवं सफेद रंग है। इसके

अतिरिक्त आपको पीला एवं हरा रंगों का त्याग करना चाहिए।

आपके लिए अंको में 1, 2, 4 एवं 7 अंक अनुकूल है। इसके अतिरिक्त 3, 5, 6 एवं 9 अंक आपके लिए हानिकारक है।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।